किसान की चतुराई

एक किसान आपन खेत जोतत रहा ,एक दम्मै से कहूं से एक भालू आय गवा .
भालू किसान का मारय की खत्तिर झपटा .किसान कहिस ,"तुम हमका काहे मारत हौ ? हमका मारव ना , फसल आवै देव जौन कहिहौ ऊ खवायिब ?
भालू कहिस ,"जमीन के उप्पर की फसल हमार औ नीचे की तुम्हार रही ,
किसान आलू बोय दिहिस .फसल आई तौ भालू का पतवा खाय का मिले औ किसान का बढ़िया आलू .भालू मुंह बनाय कै रहि गवा .
अगली बार भालू कहिस ,"देखौ भाई अबकी बार जमीन के नीचे की फसल हमार औ उप्पर की तुम्हार होई "
अबकी बार किसान गोंहू बोय दिहिस .जब फसल तैयार भय तौ किसान का चमकत चमकत गोंहू मिले .औ भलुअऊ का निस्ता जड़ मिलीं .अबकी फिर भालू मुंह बनाय कै रहि गवा .
अबकी बार भालू अपने मन मा किसान का मजा चखावै का सोंचिस .ऊ किसान से कहिस ,"जमीन के सबसे उप्पर कै औ सबसे नीचे कै फसल हमार होई ,"किसान मानि गवा .
ई बार किसान गन्ना बोय दिहिस .फसल आई तौ भालू आपन मूड़ पकर कै बैठ गवा . भलुअऊ का जरकुटा औ पतवा मिले औ किसान बढ़िया बड़े बड़े गन्ना लैके घरे गवा

अचानक –एक दम्मै **दिया** –दिहिस
कहीं से –कहूं से **पत्ता** –पतवा
आ गया –आय गवा **होगी** –होई
के लिए –के खत्तिर **गेंहू** –गोंहूँ

क्यों –काहे **केवल** –निस्ता

जो –जौन **सोंचा** –सोंचिस

खिलाऊंगा –खवायिब **कहा** –कहिस

ऊपर- उप्पर **सर** –मू ड़

अभ्यास

- किसान भालू से आपन जान कैसे बचायिस
- भालू काहे खिसियाय गवा
- तीसरी बार भालू कौन सर्त धरिस ?
- तुम किसान की जगह होतिव तौ का करतू?
- तीसर सर्त हारय के बाद भलुआ का किहिस होई ?
- अच्छा सोचव कि अबकी बार भलुआ कौन सर्त धरिस होई ?